B.Ed 2nd year
समावेशी शिक्षा इकाई-03
सह-शिक्षण [Co-Teaching]

Date 30/04/2020
Thursday

'सह शिक्षण' एक ऐसा 'शिक्षण सम्बन्ध' है, जिसमें 'सामान्य एवं विशिष्ट शिक्षक' अपनी 'जिम्मेदारियों को योजना बनाने', 'निर्देशन करने एवं अनुदेशों के मूल्यांकन' के लिए बाँटते हैं, जिससे 'बहुभाषीय बालकों को उत्तम तरीके से अधिगम' प्रदान किया जा सके।

## सह-शिक्षण के अंग एवं सम्बन्ध

1- कक्षा में हो रहे प्रत्येक कार्य लिए समान रूप से उत्तरदायी।
2- समस्त निर्णय सामूहिक।
3- समस्त भूमिकाओं का निर्वहन।
4- कक्षा अभ्यास का कक्षानुसार निर्धारण।
5- अधिगम एवं ज्ञान में समन्वय।

## प्रभावी सह शिक्षण के तरीके

(1) सहयोगात्मक शिक्षण। — छात्र अपनी समस्याओं जिज्ञासाओं एवं कमियों को स्वतन्त्र रूप से शिक्षक के समक्ष रखते हैं।

(2) समानान्तर सह-शिक्षण — कक्षा के आधे छात्रों को एक शिक्षक / आधे को दूसरा शिक्षक शिक्षण कार्य कराना।

3- पूरक सह-शिक्षण — छूटे / समझ न आने वाले प्रकरणों को पुनः शिक्षण कार्य कराना।

4- टोली शिक्षण — सभी छात्र आपस में टोली बनाकर शिक्षण कार्य करना। समस्याओं का समाधान करना।

(5) एक शिक्षक तथा एक निरीक्षण — one teacher one observation

(6) वैकल्पिक अथवा विभेदित सह-शिक्षण — अधिगम परिणाम एक सा उपागम में अन्तर।

Scanned with CamScanner

सहयोग ।

(१) नारी शोषण / अत्याचार के विरुद्ध [illegible] ।

(२) चेतना शिविरों का आयोजन ।

(३) स्वास्थ्य चिकित्सा आंगनबाड़ी [illegible]

(४) बालिकाओं की शिक्षा एवं अन्य अधिकारों [illegible]
स्थापित करना ।

[illegible]

Scanned with CamScanner